वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक, 2022

यूपीएससी परीक्षा के किस पाठ्यक्रम से संबंधित	
प्रारम्भिक परीक्षा	**मुख्य परीक्षा**
प्रथम प्रश्न पत्र : अंतर्राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनाएँ	**द्वितीय प्रश्न पत्र :** महत्वपूर्ण रिपोर्ट

प्रसंग

- हाल ही में, विश्व आर्थिक मंच (World Economic Forum- WEF) के तत्वावधान में वर्ष 2022 हेतु प्रकाशित "वैश्विक लैंगिक अंतराल" (Global Gender Gap-GGG) सूचकांक में उल्लिखित है कि श्रम बल में व्यापक लिंग अंतर के साथ वैश्विक स्तर पर महिलाओं के जीवन यापन पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ने की संभावना है।
- ध्यातव्य है कि इस महत्वपूर्ण रिपोर्ट में लैंगिक समानता के संदर्भ में कहा गया है कि विश्व भर में मौजूदा लैंगिक असमानता को समाप्त करने में 132 वर्ष का समय लगेगा। वहीं, दक्षिण एशिया के संदर्भ में व्याख्या की गई है कि इस भेदभाव के अंत होने में लगभग 197 वर्ष की प्रतीक्षा करनी होगी।

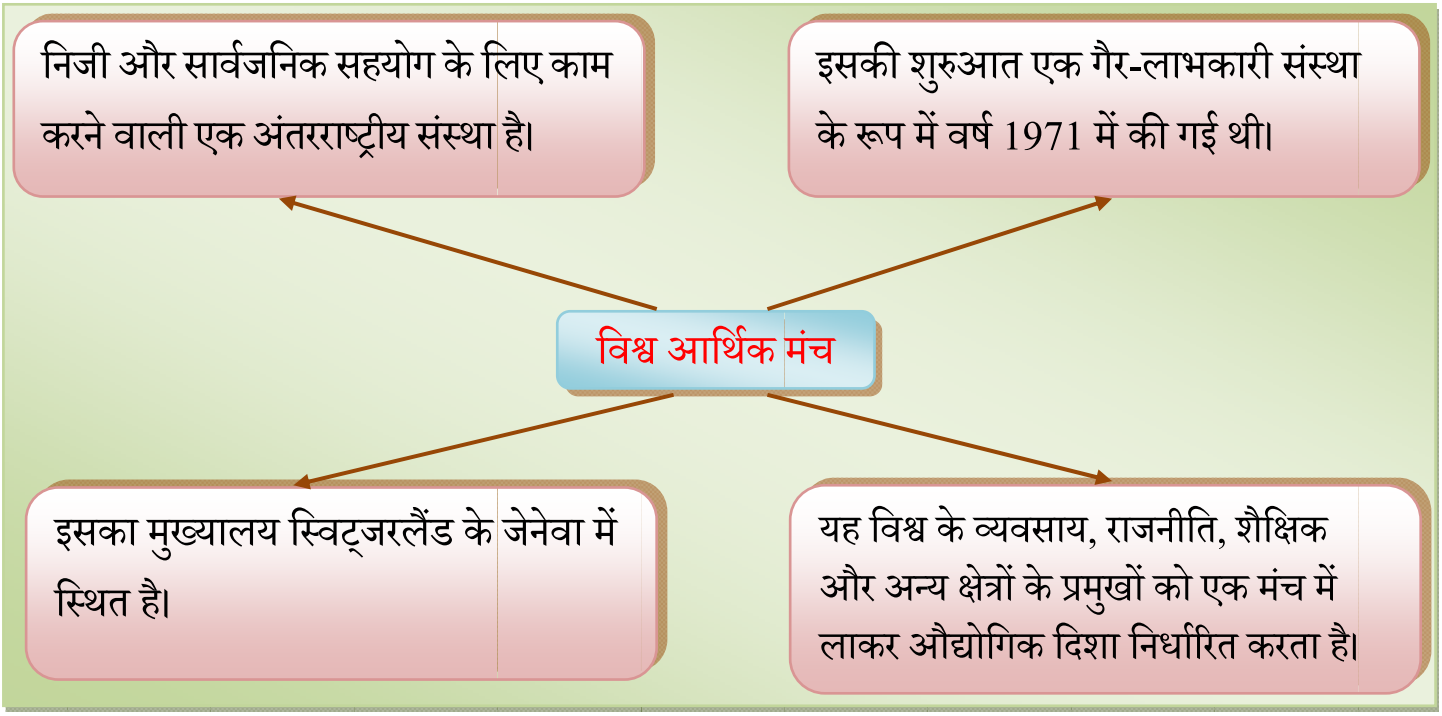

वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक

- प्रथम प्रकाशन
    - विश्व आर्थिक मंच के निर्देशन में वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक का प्रथम प्रकाशन वर्ष 2006 में किया गया था।
- क्या है?
    - यह वर्तमान स्थिति और चार प्रमुख आयामों (आर्थिक भागीदारी और अवसर, शैक्षिक प्राप्ति, स्वास्थ्य और जीवन रक्षा, और राजनीतिक अधिकारिता) में लिंग समानता के विकास को बेंचमार्क करता है।
    - विदित है कि यह लैंगिक अंतराल को समाप्त करने की दिशा में प्रगति को लक्षित करके लैंगिक समानता के मापन हेतु अभिकल्पित किया गया एक महत्वपूर्ण सूचकांक है।
- मापन हेतु निर्धारित चार उप-सूचकांक
    - आर्थिक भागीदारी और अवसर
    - शिक्षा का अवसर
    - स्वास्थ्य एवं उत्तरजीविता
    - राजनीतिक सशक्तीकरण
- विभिन्न देशों को प्रदान किए जाने वाले अंक से आशय
    - चार उप-सूचकांकों में से प्रत्येक पर और साथ ही समग्र सूचकांक पर GGG सूचकांक 0 और 1 के मध्य अंक प्रदान करता है।
    - ज्ञातव्य है कि जहाँ 1 पूर्ण लैंगिक समानता को प्रदर्शित करता है, वहीं 0 पूर्ण असमानता का परिचायक है।

विश्व परिदृश्य

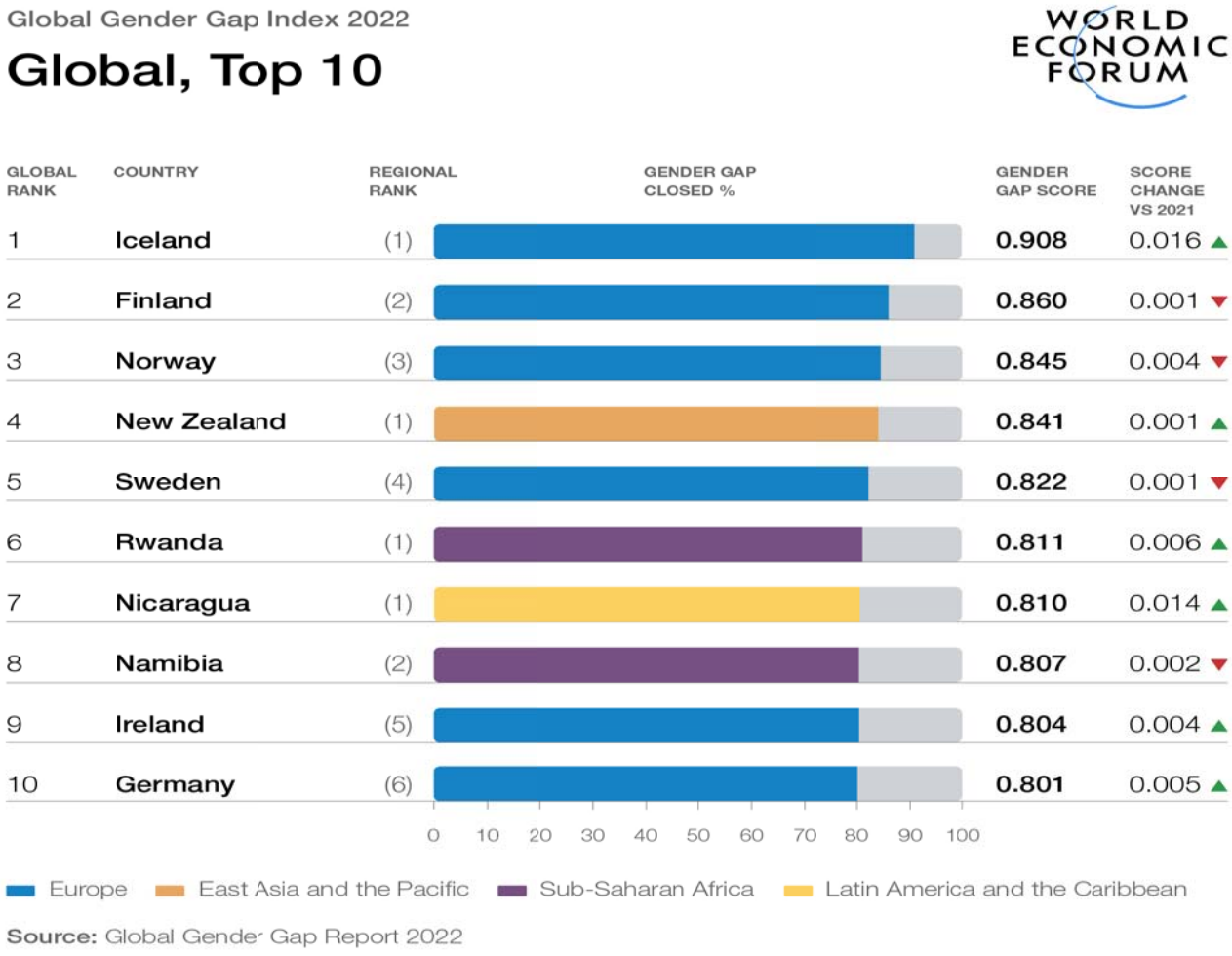

- विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2022 में शीर्ष पर रहते हुए आइसलैंड को एक बार फिर सबसे अधिक लैंगिक समानता वाला देश नामित किया गया है।
- नॉर्डिक देश ने अपने लिंग अंतर के 90% से अधिक को समाप्त कर दिया है और 2022 ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स में कुल 146 अर्थव्यवस्थाओं में से लगातार 12वें वर्ष रैंकिंग में शीर्ष पर हैं।
- आइसलैंड के निकटस्थ पड़ोसी देश फिनलैंड, नॉर्वे और स्वीडन शीर्ष पांच में हैं, जबकि शीर्ष 10 में केवल चार देश यूरोप से बाहर के हैं: न्यूजीलैंड (चौथा), रवांडा (छठा), निकारागुआ (सातवां) और नामीबिया (आठवां)।
- शीर्ष पांच देश गत वर्ष से अपरिवर्तित हैं।
- लिथुआनिया और स्विट्जरलैंड शीर्ष 10 से बाहर हो गए हैं और निकारागुआ और जर्मनी ने उनका स्थान लेने में सफलता प्राप्त की है।

पूर्ण लैंगिक समानता

- हालांकि, किसी भी देश ने पूर्ण लैंगिक समानता हासिल नहीं की है।
- शीर्ष 10 अर्थव्यवस्थाओं ने अपने लिंग अंतर के कम से कम 80% को समाप्त कर दिया, जिसमें आइसलैंड (90.8%) वैश्विक रैंकिंग में अग्रणी है।
- आइसलैंड एकमात्र ऐसी अर्थव्यवस्था थी, जिसने अपने लिंग अंतर के 90% से अधिक को समाप्त कर दिया है।
- अन्य स्कैंडिनेवियाई देश जैसे फिनलैंड (86%, दूसरा), नॉर्वे (84.5%, तीसरा) और स्वीडन (82.2% पांचवा) शीर्ष पांच में हैं।
- अन्य यूरोपीय देशों में आयरलैंड (80.4%) और जर्मनी (80.1%) के साथ क्रमशः नौवें और दसवें स्थान पर विद्यमान हैं।
- उप-सहारा अफ्रीकी देश रवांडा (81.1%, 6 वां) और नामीबिया (80.7%, 8 वां), लैटिन अमेरिकी देश निकारागुआ (81%, 7 वां), और पूर्वी एशिया और प्रशांत देश न्यूजीलैंड (84.1%, 4th) के साथ शीर्ष 10 में स्थान प्राप्त करते हैं।

वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक, भारत और विभिन्न सूचकांकों में भारत की स्थिति

The gender score | India ranked 135 in gender parity out of 146 countries, according to the Global Gender Gap Report 2022 released by the World Economic Forum. A look at India's ranking in the four sub-indexes based on which the overall ranking was determined

India	Rank 2022*
Global gender gap index	**135**
Economic participation and opportunity	143
Educational attainment	107
Health and survival	146
Political empowerment	48

**out of 146 countries*

- भारत को प्राप्त अंक
    - सूचकांक में भारत 146 देशों में से 135वें स्थान पर है।
    - भारत को प्राप्त समग्र स्कोर 0.625 (वर्ष 2021 में) से बढ़कर 0.629 हो गया है, जो गत 16 वर्षों में सातवाँ उच्चतम स्कोर है।
    - विदित है कि वर्ष 2021 में भारत 156 देशों में 140वें स्थान पर था।
- राजनीतिक सशक्तीकरण
    - इसमें संसद में महिलाओं का प्रतिशत, मंत्री पदों पर महिलाओं का प्रतिशत आदि जैसे मीट्रिक शामिल हैं।
    - अन्य सभी उप-सूचकांकों में, इसमें भारत सर्वोच्च (146 में से 48 वां स्थान) है।
    - यद्यपि, इस रैंक के बावजूद इसका स्कोर 0.267 है, जो काफी कम है।
    - इस श्रेणी में कुछ सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले देश बहुत बेहतर स्थिति में हैं। उदाहरण के लिए, आइसलैंड 0.874 के स्कोर के साथ पहले स्थान पर है और बांग्लादेश 0.546 के स्कोर के साथ 9वें स्थान पर है।
    - इसके अलावा, इस मीट्रिक में भारत का स्कोर गत वर्ष की तुलना में खराब हो गया है - 0.276 से 0.267 तक।
    - यद्यपि, कमी के बावजूद इस श्रेणी में भारत का स्कोर वैश्विक औसत से ऊपर है।
- आर्थिक भागीदारी और अवसर
    - इसमें मेट्रिक्स शामिल हैं, जैसे कि श्रम शक्ति में महिलाओं का प्रतिशत, समान काम के लिए मजदूरी समानता, अर्जित आय आदि।
    - इसमें भारत 146 देशों में से 143वें स्थान पर है।
    - इसमें भारत के स्कोर में सुधार (2021 0.326 से 0.350 तक) हुआ है।
    - विदित है कि पिछले साल, 156 देशों में से भारत 151वें स्थान पर था।
    - भारत का स्कोर वैश्विक औसत से काफी कम है और इस मीट्रिक पर भारत से केवल ईरान, पाकिस्तान और अफगानिस्तान ही पीछे हैं।

- शिक्षा प्राप्ति (प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक शिक्षा में साक्षरता दर व नामांकन दर):
  - भारत 146 में से 107वें स्थान पर है।
  - गत वर्ष की तुलना में प्राप्त अंक थोड़ा खराब रहा है।
  - वर्ष 2021 में भारत 156 में से 114वें स्थान पर था।
- स्वास्थ्य और उत्तरजीविता
  - इसमें दो मीट्रिक शामिल हैं:
    1. जन्म के समय लिंगानुपात (प्रतिशत में)
    2. स्वस्थ जीवन प्रत्याशा (वर्षों में)
  - इस मीट्रिक में, भारत सभी देशों में अंतिम (146) स्थान पर है।
  - विदित है कि इसमें भारत का स्कोर 2021 से अपरिवर्तनीय रहा है, जब इसे 156 देशों में से 155वें स्थान पर रखा गया था।

विश्व आर्थिक मंच द्वारा प्रकाशित अन्य प्रमुख रिपोर्टें	
1.	ऊर्जा संक्रमण सूचकांक
2.	वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता रिपोर्ट
3.	वैश्विक जोखिम रिपोर्ट
4.	वैश्विक यात्रा और पर्यटन रिपोर्ट

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस, द हिन्दू